Publication	Amrit India
Date	25th September, 2015
Page No.	03
Edition	New Delhi

जेएसपीएल फाउंडेशन ने लांच किया राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान

नई दिल्ली (अ.इ.)। 'माउंटेन मैन' के नाम से मशहूर दशरथ मांझी बिहार के गया जिले के गांव में रहने वाले मजदूर थे जिन्होंने केवल छेनी-हथौड़ा लेकर 22 सालों की कड़ी कोशिशों के बाद एक पहाड़ काट कर रास्ता बना दिया। आज दशरथ मांझी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी कहानी जिंदा है। दुःसाहस और दृढ़ संकल्प का यह एक मशहूर उदाहरण है।

हालांकि देश में और भी दशरथ मांझी हैं जिन्होंने अपने गांवों-शहरों में अपनी एक पहचान कायम की है और उनकी कहानियों से दुनिया अनजान है। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों को निभाने वाली गतिविधियों को आगे बढ़ाने वाली जेएसपीएल फाउंडेशन ऐसे ही लोगों की कहानियों को प्रकाश में लाना चाहती है। ऐसे अदम्य साहसी लोगों को सम्मानित करने के लिए जेएसपीएल फाउंडेशन ने एक अभूतपूर्व पुरस्कार राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान की इस वर्ष स्थापना की है।

राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान जमीनी स्तर के उन लोगों को सम्मानित करेगा जिन्होंने अपने अनुकरणीय साहस, प्रतिबद्धता और आत्म विश्वास के बल पर जीवन की विपरीत परिस्थितियों को पार किया और अपनी खुद की विशिष्ट पहचान बनाई तथा इस प्रकार वे बहुत से लोगों की प्रेरणा बने। ये लोग 'परिवर्तन के दूत' बन कर देश के विभिन्न हिस्सों में जा कर वंचितों के उत्थान के लिए काम करेंगे तथा अपने अनुभवों व कठिनाईयों के उदाहरणों से उन्हें अपने सपने सच करने के लिए प्रेरित करेंगे।